Exodus 7:14-9:35
निर्गमन ७:१४-९:३५V

Plagues on Purpose
विपत्ति उद्देश्य के साथ

Pastor Bryan Chapell
पास्टर ब्रायन चैपल

07.01.18
0७.0१.१८

Introduction: Turning a deaf ear to sins consequences
प्रस्तावना : पाप के परिणाम को ना सुना करना

Key Question: Why do we need to listen to the account of the plagues of Egypt?
मिस्र की विपत्ति के बारे में जानना क्यों जरुरी है?

Key thought: The plagues describe the pathology of spiritual deafness.
मुख्य विचार: विपत्ति आत्मिक बीमारी का रोग निदान का वर्णन करती है

I. What are we supposed to hear from the plague accounts
मुख्य विचार: विपत्ति के वर्णन से हमे क्या समझना है?

a. The greatness of our God (Num 33:4)
परमेश्वर की महानता (गिनती ३३:४)

b. The consequences of our sin (creation account of Gen 1)
पाप का परिणाम (उत्पति १ में सृष्टि के निर्माण का लेखा)

c. The culmination of God's warning (Rev 16)
परमेश्वर की चेतावनी का चरम बिंदु (प्रकाशितवाक्य १६)

II. Why do we not listen to the God, who loves enough to warn?
हम परमेश्वर की आज्ञा क्यों नहीं मानते है जो हमें बहुत प्यार करता है?

a. Reasonable substitutes
उचित विकल्प

1. The worlds resources seem as good (7:22)
दुनिया के विकल्प बेहतर लगते है (७:२२)

2. The worlds alternatives seem sufficient (7:24)
दुनिया के विकल्प पर्याप्त लगते है (७:२४)

3. The word keeps turning (8:15)
वचन बदलते लगता है (८:१५)

b. Categorical Refusal (8:18-22)
स्पष्ट इंकार (८:१८-२२)

1. Refusal to face God's reality (8:18-19)
परमेश्वर की वास्तविकता का सामना करने के लिए इंकार (८:१८-१९)

2. Refusal to face God's blessing (8:21-22)
परमेश्वर के आशीष स्वीकार करने से इंकार (९:११-१२)

3. Refusal to face others' pain (9:11-12)
दूसरों का दर्द का सामना करने के लिए इंकार (९:११-१२)

c. Irrational resistance (9:27)
तर्कहीन विरोध (९:२७)

Conclusion: Draw near to God, and he will draw near to you.
निष्कर्ष : परमेश्वर के निकट आओ, तो वह भी तुम्हारे निकट आएगा